prepp

Practice, Learn and Achieve Your Goal with Prepp

HPPSC Recruitment

Economics-II

Simplifying **Government Exams**

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS

SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA

SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET

CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

[This question paper contains 04 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 04 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____________

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019

हि.प्र.प्र.से. आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Economics-II / इकोनॉमिक्स-II

Time Allowed: 3 Hours
अनुगत समय: 3 घंटे

Maximum Marks: 100
अधिकत्तम अंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. *Attempt any five questions including compulsory question No.1.*
   अनिवार्य प्रश्न नंबर 1 सहित किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
4. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
5. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. Answer the following questions in brief: - (05x04=20)
   निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर संक्षेप में दीजिये:-
   (a) Briefly explain the Pradhan Mantri MUDRA Yojna. How far is it correct to say that it has not translated into tangible increases in lending to the MSME sector, let alone to underserved regions or segments?
   प्रधान मंत्री मुद्रा योजना को सक्षेप में समझाइये। यह कहना कहाँ तक उचित है कि उन क्षेत्रों और अनुभागों की तो बात छोड़ें जहाँ पहले से अभाव है, इसने MSME क्षेत्र को ऋण उपलब्ध करने में भी कोई ठोस सफलता हासिल नहीं की है?
   (b) Explain India's commitment to WTO's Agreement on Agriculture. How have these affected India's interest?

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

WTO के 'कृषि पर समझौते' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को समझाइये। इन्होने भारत के हित को किस प्रकार से प्रभावित किया है?

(c) Enumerate the main problems encountered by the economy of Himachal Pradesh. How far is correct say that growth in the state has not inclusive and both inter-personal and regional disparity have increased over the years?

हिमाचल प्रदेश अर्थव्यवस्था के द्वारा सामना किये जाने वाली प्रमुख समस्यायों की गणना कीजिये। यह कहना कहाँ तक उचित है कि राज्य में विकास समावेशी नहीं रहा है तथा समय के साथ पारस्परिक असमानता और क्षेत्रीय विषमता दोनों में वृद्धि हुई है?

(d) How far is it correct to discredit neo-liberal policy for casualization of employment and fall in employment elasticity of output? Enumerate some measures that you would suggest to handle the problem?

रोज़गार के कैजुअलाइज़ेशन (आकस्मिकता) और उत्पादन की रोज़गार लोच में कमी के लिए नव-उदारवाद को दोष देना किस हद तक उचित है? इस समस्या की निपटारे के लिए उठाये जा सकने वाले कुछ उपायों की गणना कीजिये।

2. "The financial sector reforms in India though have been slow paced, yet these have been synchronized and have led to the creation and development of efficient and stable financial institutions and vibrant money and government securities market." Evaluate the success of financial sector reform in India in the light of above statement. What regulatory and supervisory challenges the reforms have created and how these can be effectively tackled?

"भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधार यद्यपि धीमे हैं किन्तु समकालिक हैं और इनके कारण कुशल और स्थायित्व वाले वित्तीय संस्थानों एवं स्पन्दनशील मौद्रिक एवं सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार का सृजन और विकास हुआ है।" इस कथन के आलोक में भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों का मूल्याङ्कन कीजिये। सुधारों ने किन नियामक एवं निरक्षणात्मक चुनौतियों को जन्म दिया है और इनका प्रभावी सामना कैसे किया जा सकता है? (14+6)

3. "Though they cannot ne an alternative and substitute to large scale enterprises, yet Micro Small and Medium Enterprises (MSMEs)play a crucial role in boosting industrial growth, creating employment, ensuring success of Make in India Programme and overall fostering inclusive growth." Discuss

"यद्यपि वो वृहत पैमाने के उद्योगों के विकल्प एवं स्थानापन्न नहीं हो सकते तथापि लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (MSMEs) औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने, रोज़गार का सृजन करने, 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में निर्णायक

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

भूमिका निभाते है।" व्याख्या कीजिये। (20)

4. Explain the trends and composition of India's external debt. Do you support the contention that India's overseas debt plan has limited benefits and many risks? What steps would you suggest to handle India's external debt burden?
भारत के विदेशी ऋण की प्रवृति और संघटन की व्याख्या कीजिये। क्या आप इस विचार का समर्थन करते हैं कि भारत की विदेशी ऋण योजना के लाभ सीमित हैं एवं जोखिम बहुत अधिक हैं? भारत के बाह्य ऋण समस्या के समाधान के लिए आप क्या सुझाव देंगे? (14+6)

5. (a) "The inverse relationship between farm size and efficiency is a debatable issue and depends on the proxy we use to measure efficiency viz land productivity or labour productivity." Discuss
जोत के आकर एवं कुशलता के बीच का ऋणात्मक सम्बन्ध एक विवादास्पक विषय है और इसका निर्णय इस पर निर्भर करता है कि कुशलता के प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) के रूप में हम किसका प्रयोग करते हैं भूमि की उत्पादकता का या श्रम की उत्पादकता का।" विवेचना कीजिये। (8)

(b) "Green revolution in India has though raised productivity and improved Indian farming, yet has at the same time resulted in negative externalities." Under these circumstances would you support a Second Green Revolution? Give arguments to support your answer.
"भारत में हरित क्रांति ने यद्यपि उत्पादकता में वृद्धि की है और भारतीय कृषि में सुधार को प्रोत्साहित किया है, किन्तु साथ ही साथ इसने ऋणात्मक बाह्यताओं का सृजन भी किया है।" इस परिस्थिति में क्या आप एक अन्य हरित क्रांति का समर्थन करेंगे? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिये। (8+4)

6. Account for the rapid growth of GNP and GNP per capita witnessed by the Indian economy in the post liberalization era. How far is it correct to claim that the leap-frog strategy (neglect of manufacturing sector) and failure to reap demographic dividend are going to play spoil sport in India's endeavour to emerge as an economic superpower?
उदारवाद के बाद की अवधि में भारत के GNP और प्रति व्यक्ति GNP में होने वाले तीव्र विकास की समीक्षा कीजिये। यह कहना कहाँ तक उचित है की लीपफ्रॉग रणनीति (विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा) और जनांकिकीय लाभांश का लाभ उठाने में असफलता एक आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयास को नुकसान पहुँच रही है? (12 +8)

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

7. Explain India's experience with the economic planning. Why has the government discontinued planning process and disbanded the Planning Commission? How the setting up of NITI Aayog has changed the planning perspective in India?

नियोजन के साथ भारत के अनुभव को समझाइये। सरकार ने क्यों नियोजन की प्रक्रिया को बंद कर दिया तथा योजना आयोग को भंग कर दिया? नीति आयोग की स्थापना ने किस प्रकार नियोजन परिपेक्ष्य को प्रभावित किया है? (10+3+7)

8. (a) Briefly mention the factors that have led to higher fiscal deficits in India in recent times. How is it going to impact government finances and influence life of a common man?

उन कारकों की चर्चा कीजिये जिनके कारण हाल के समय में भारत में राजकोषीय घाटे में वृद्धि हुई है। इसका परिणाम सरकार के वित्तीय स्तिथि एवं आम आदमी के जीवन पर कैसे पड़ेगा?

(7+3)

(b) India's growth of manufacturing has been far from satisfactory. What changes in the industrial policy would you suggest to resurrect industrial growth in India?

भारत के विनिर्माण क्षेत्र का विकास संतोषजनक नहीं रहा है। आप भारत के औद्योगिक नीति में क्या बदलाव लाना चाहेंगे जिससे भारत के औद्योगिक विकास को पुनर्जीवित किया जा सकता है? (10)

*****

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in